HINDUSTAN PAGE 4

सीनियर ने डांटा तो इतना घबरा गया कि विषय ही छोड़ दिया

लखनऊ विश्वविद्यालय 100 कुछ यादें कुछ किस्से 26

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

प्रो. आरबी सिंह मून

बीएससी पढ़ने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय आया। यहां पहली ही सूची में नाम भी आ गया। गणित, भौतिक विज्ञान और सांख्यिकी विषय लिए गए। पहली बार क्लास करने सांख्यिकी विभाग में पहुंचे। यहां एक सीनियर को नए छात्रों को लैब के उपकरण सिखाने का जिम्मा सौंपा गया था। वो पहली कक्षा दी। एक उपकरण की रीडिंग्स को लेकर उन सीनियर महोदय ने जमकर क्लास ले ली। समझ में नहीं आया क्या करें। उस समय विषय परिवर्तन का विकल्प मिलता था। हमने विषय ही बदल लिया।

उन्नाव के बक्सर गांव से इंटर करने के बाद 1983 में लखनऊ विश्वविद्यालय। सुबह घर से निकले थे। दोपहर को बस से विश्वविद्यालय पहुंच गए। कुछ पता तो था नहीं। यहां एनडी छात्रावास में रहने वाले गांव के एक पट्टीदार के पास पहुंचे। हालचाल पूछना तो दूर, उन्होंने पहला ही सवाल दाग दिया.. लखनऊ क्यों आना चाहते हो? हमने जवाब दिया पढ़ने के लिए.. वो बोले यहां कोई पढ़ाई नहीं होती। इस बात को आज करीब 37 साल हो गए हैं। दावे से कह सकता हूं कि वो गलत थे। यहां से एमएससी की। ये इस विश्वविद्यालय की ही देन थी कि 1989 में 6 हजार में छह छात्रों को जेएनयू में दाखिला मिला। उनमें से एक मैं भी था।

बाद में एलयू से पीएचडी भी की। जो, भी कुछ मिला इस विश्वविद्यालय और यहां के शिक्षकों की देन है। तब शिक्षक एक एक छात्र को उसके नाम से जानते थे। मुझे याद है, बीएससी सेकंड ईयर में एक क्लास बंक करके कैशियर ऑफिस के बाहर घूम रहे थे। तब प्रो. केडी सिंह ने नाम से बुलाकर टोका था। उसके बाद कभी भी क्लास बंक नहीं की।

-प्रो. आरबी सिंह मून, लखनऊ विश्वविद्यालय

JAGRAN CITY PAGE III

भगवान से संबंध को समझ कर पढ़ाएंगे विज्ञान

जासं, लखनऊ : गीता के जरिये विज्ञान और भगवान के संबंध को लखनऊ विश्वविद्यालय के अध्यापक समझेंगे। इसके आधार पर वे विद्यार्थियों को पढ़ाएंगे। इस संबंध में 17 से 23 दिसंबर तक इस्कॉन और लविवि के बीच ऑनलाइन विशेष शैक्षणिक सत्र आयोजित किए जाएंगे।

क्या एक विज्ञानी को भगवान में भरोसा करना चाहिए, किस तरह की आंखों से ईश्वर को देखा जा सकता है, वेद क्या हैं, आत्मा का विज्ञान, भौतिक और आध्यात्मिक जगत क्या है, अगर ईश्वर एक है तो फिर इतने अधिक पंथ क्यों हैं और आधुनिक युग में योग का महत्व क्या है? ये कुछ ऐसे विषय हैं, जिन पर इन सत्रों में चर्चा की जाएगी। लविवि के डॉ. संजय माधवी और डॉ. अशोक कुमार सिंह फैकल्टी के लिए और मधु स्मिता दास इस्कॉन की ओर से आयोजन के संयोजक हैं। प्रत्येक दिन दोपहर तीन बजे से शाम 4:30 बजे तक डिस्कवर योर सेल्फ सत्र चलेगा। लविवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि लविवि और इस्कॉन के बीच गीता के ज्ञान को प्रसारित करने को लेकर एक एमओयू (मेमोरंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग) किया गया है।

इस लिंक पर करेंगे पंजीकरण: लविवि की फैकल्टी के लिए https//forms.gle/mzQHa|hsAwiXsDc पर क्लिक कर पंजीकरण किया जा सकता है।

पीएचडी प्रवेश परीक्षा के बचे परिणाम घोषित : लखनऊ विश्वविद्यालय की पीएचडी प्रवेश परीक्षा के शेष विषयों का परिणाम घोषित कर दिया गया है।

चयनित अभ्यर्थियों का नाम वेबसाइट पर उपलब्ध है। जिन विषयों में परिणाम घोषित किए गए हैं उनमें अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, हिंदी, दर्शन, संस्कृत और प्राकृत भाषा, नागरिक शास्त्र, व्यावहारिक अर्थशास्त्र, व्यापार, कानून, वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, भूगर्भशास्त्र, गणित, सांख्यिकी और प्राणि विज्ञान शामिल हैं। लविवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि फीस 15 दिसंबर को शाम पांच बजे के बाद ऑनलाइन जमा होगी।

पीजी की फीस जमा करने की अंतिम तिथि अब 16 को

लविवि की परास्नातक प्रवेश प्रकिया में फीस जमा करने की अंतिम तिथि 16 दिसंबर कर दी गई है। जिन विषयों में अभ्यर्थियों ने च्वाइस नहीं मांगी थी और जो अभ्यर्थी उस विषय की कटऑफ रैंक के अंतर्गत आ गए हैं, वे अभ्यर्थी ऑनलाइन अनलॉक पोर्टल में जाकर अपनी सीट कन्फर्मेशन फीस जमा करें और जिन विषयों में च्वाइस भरनी थी, उन विषयों के अभ्यर्थियों को उनके लॉगइन आइडी पर मेरिट के अनुसार अलॉटमेंट उपलब्ध करा दिया गया है और उसी लिंक पर फीस जमा करने का लिंक है। यदि वे अपने दिए गए विकल्प का अपग्रेडेशन चाहते हैं तो अपग्रेडेशन यस अवश्य करें।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में पीएचडी की बची सीटों का रिजल्ट जारी

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय लविवि की पीएचडी प्रवेश परीक्षा का बचे हुए विषयों का परिणाम सोमवार को घोषित कर दिया गया। चयनित अभ्यर्थियों का नाम वेबसाइट पर उपलब्ध है। अभ्यर्थियों को मंगलवार शाम से इसकी फीस जमा करनी है। लविवि ने ईडब्ल्यूएस कोटे का लाभ देते हुए यह सूची जारी की है।

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इकोनॉमिक्स, अंग्रेजी, हिंदी, फिलासफी, संस्कृत और प्राकृत भाषा, समाजशास्त्र, अप्लाइड इकोनॉमिक्स, कॉमर्स, लॉ, बॉटनी, केमिस्ट्री, जियोलॉजी, मैथ्समेटिक्स, सांख्यकी और जूलॉजी विषयों में चयनित अभ्यर्थियों की सूची वेबसाइट पर जारी कर दी गई है। अभ्यर्थी मंगलवार शाम पांच बजे के बाद ऑनलाइन फीस जमा कर सकते हैं। सीट खाली बचने पर अगली लिस्ट जारी की जाएगी। लविवि द्वारा इस साल ईडब्ल्यूएस कोटे का लाभ न देने की वजह से पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया काफी लंबे समय से अटकी थी। लविवि ने पहले चरण में उन 20 विभागों की लिस्ट जारी की जिसमें ईडब्ल्यूएस कोटे की सीट नहीं बन रही थी। सोमवार को जारी सूची में ईडब्ल्यूएस कोटे का लाभ दिया गया है। शासनादेश के अनुसार गरीब सवर्ण अभ्यर्थियों को 10 फीसदी आरक्षण का लाभ मिलता है।

> पीएचडी का पूरा रिजल्ट जारी कर दिया गया है। अभ्यर्थियों को ईडब्ल्यूएस कोटे का लाभ भी दिया गया है। सभी चयनित अभ्यर्थी अपनी फीस मंगलवार शाम पांच बजे से जमा कर सकते हैं।
> -डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता लविवि

पीजी : अब 16 तक दाखिले का मौका : लविवि की परास्नातक प्रवेश प्रक्रिया में फीस जमा करने की अंतिम तिथि 16 दिसंबर तक बढ़ा दी गई है। इसके साथ अभ्यर्थियों को विकल्प अपग्रेडेशन सुविधा के लिए सीट अपग्रेडेशन की स्वीकृति देने के लिए भी कहा गया है। अभ्यर्थी अपनी लॉग इन पर जाकर फीस जमा कर सकते हैं। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव के अनुसार अभ्यर्थियों को परामर्श दिया जा रहा है कि जिन विषयों में च्वॉइस नहीं मांगी गई थी और जो अभ्यर्थी उस विषय की कट ऑफ रैंक के अंतर्गत आ गए हैं वे ऑनलाइन अनलॉक पोर्टल पर जाकर अपनी सीट कन्फर्मेशन फीस जमा कर दें।